सभी पाठको को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं!

शेखावाटी संदेश

संकल्पों का सारथी...प्रगति का प्रहरी

मासिक/ वर्ष 03 / अंक 10 | RNI पंजीकरण क्रमांक : RAJHIN / 2022 / 82054 | झुंझुनू, नवम्बर, 2024 | डाक पंजीकरण क्रमांक : JJN / 056 / 22-23 | मूल्य ₹ 10 | कुल पृष्ठ 04

काम की बात

"दीपावली बुराई पर अच्छाई की, अज्ञान पर ज्ञान की और निराशा पर आशा की जीत का प्रतीक है"

संपादकीय

बेलगाम साइबर ठग, डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर कर रहे हैं ठगी

डिजिटल युग में ठगी के तौर तरीके भी बदल गए हैं। देश में साइबर ठग बेलगाम हो रहे हैं, पहले साइबर ठगों द्वारा ओटीपी पूछ कर रूपए ठगे जाते थे, लेकिन अब साइबर अरेस्ट का भय दिखाकर ठगी कर रहे हैं। भारत में तेजी से बढ़ रहे डिजिटल अरेस्ट के मामलों पर प्रधानमंत्री ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने मन की बात कार्यक्रम में कहा कि जो लोग भी इस

तरह की साइबर ठगी का शिकार होते हैं। वे अन्य लोगों को इसके बारे में बताए और उन्हें जागरूक करें। भारत ने 90 करोड़ से अधिक इंटरनेट यूजर्स के साथ डिजिटल विकास किया है। लेकिन इसके साथ साइबर धोखाधड़ी की चुनौतियां भी आई हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के अनुसार पिछले कुछ वर्षों में साइबर अपराधों में बढ़ोतरी देखी गई है। गृह मंत्रालय ने डिजिटल अरेस्ट के मामलों को लेकर लोगों को पुलिस, सीबीआई, नारकोटिक्स विभाग, भारतीय रिजर्व बैंक, ईडी आदि एजेंसियों के नाम पर फर्जी कॉल करने वाले ब्लैकमेलर्स के प्रति सतर्क किया था। गृह मंत्रालय ने 1,000 से अधिक स्काइप खातों को ब्लॉक कर दिया, जो सरकारी कर्मियों के रूप में प्रस्तुत होने वाले साइबर अपराधियों द्वारा नागरिकों को धमकाने, ब्लैकमेल करने, जबरन वसूली करने और डिजिटल अरेस्ट से जुड़े थे। गृह मंत्रालय ने पहचान की है कि ये घोटाले सीमा पार अपराध सिंडिकेट द्वारा संचालित होते हैं, जो उन्हें एक बड़े, संगठित ऑनलाइन आर्थिक अपराध नेटवर्क का हिस्सा बनाता है। साइबर सुरक्षा में सुधार के लिए भारत में पहले भी कई नीतियां अपनाई गई हैं, लेकिन ये प्रयास अभी अपर्याप्त हैं, क्योंकि भारत को तकनीकी कर्मचारियों, साइबर फोरेंसिक सुविधाओं, साइबर सुरक्षा मानकों और विभिन्न हितधारकों के बीच समन्वय की कमी का सामना करना पड़ रहा है। हमें समय के साथ अपडेट होना होगा। ऐसे में पीएम मोदी ने देशवासियों को रूको, सोचो और एक्शन लो का मंत्र देकर ठीक ही कहा है कि समाज में सबके प्रयासों से ही हम इस चुनौती का मुकाबला कर सकते हैं।

आकाश मोदी

मेडिकल स्टूडेंट्स का किया स्वागत : स्वास्थ्य सेवाओं में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हुआ झुंझुनूं का नाम

मेडिकल कॉलेज में आया पहला बैच, सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की मिलेंगी सेवाएं

कवर स्टोरी

शेखावाटी संदेश | झुंझुनू

विश्व पटल पर अपनी विशेष पहचान रखने वाले झुंझुनू जिले का नाम स्वास्थ्य सेवाओं में भी स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया है। समसपुरा रोड स्थित मेडिकल कॉलेज में मेडिकल की पढ़ाई करने के लिए स्टूडेंट आ गए हैं। हमारे मेडिकल कॉलेज के पहले बैच के लिए 100 सीटें है, जिनमें से 98 मेडिकल स्टूडेंट आ चुके हैं। दो स्टूडेंट भी चार नवम्बर तक आ जाएंगे। मेडिकल कॉलेज में बैच शुरू होने से जिले में मेडिकल की सुविधाएं भी बढ़ जाएंगी। जिलेवासियों को जल्द ही सुपर स्पेशलिस्ट चिकित्सकों की सुविधाएं मिलने लगेंगी। मेडिकल कॉलेज शुरू होने से हर प्रकार की जांच जिले ही हो सकेगी। मेडिकल कॉलेज के अभाव में बड़े ऑपरेशन, कई जांचों समेत बेहतर चिकित्सा सुविधा लेने के लिए जिलेवासियों को जयपुर, बीकानेर आदि जगह पर जाना पड़ता था, लेकिन अब यहीं पर उनको सुविधा मिल जाएगी। वहीं अब रेफरल की समस्या भी नहीं रहेगी। मेडिकल कॉलेज का काम तीन चरणों में होना, जिसका प्रथम चरण पूरा हो चुका है।

झुंझुनू. मेडिकल कॉलेज में मेडिकल की पढ़ाई के लिए आए प्रथम बैच के स्टूडेंट्स।

बीडीके में निर्माणाधीन 270 बैड का अस्पताल जनवरी तक होगा पूरा

मेडिकल कॉलेज के लिए अलग से अस्पताल की जरूरत होती है। इसके लिए बीडीके अस्पताल में 270 बैड के अस्पताल का निर्माण कार्य चल रहा है। जिसका कार्य जनवरी 2025 तक पूरा होने की संभावना है। मेडिकल कॉलेज शुरू हो गया है, अब चिकित्सकों की बेहतर सुविधा आमजन को मिल सकेगी। प्रथम बैच को पढ़ाने के लिए विशेषज्ञ चिकित्सक आएंगे। जिसका लाभ बीडीके अस्पताल को मिलेगा। वहीं जिलेवासियों को रेजिडेंट चिकित्सकों का लाभ भी मिल सकेगा। इधर, मेडिकल कॉलेज में प्रथम चरण के काम में हॉस्टल की बाउंड्रीवाल नहीं बनने से उसे शुरू करने में परेशानी आ रही है। सुरक्षा की दृष्टीकोण से उसे अभी शुरू नहीं किया गया है। प्रथम बैच के स्टूडेंट आ चुके हैं, लेकिन अभी तक हॉस्टल को शुरू नहीं किया गया है। इस संबध में मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल ने जिला कलक्टर को पत्र भी लिखा है।

प्रथम बैच आ गया है

मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ राकेश साहू ने बताया कि कॉलेज का प्रथम बैच आ चुका है। प्रथम बैच के लिए 100 सीट है जिसमें 98 स्टूडेंट आ गए है। दो स्टूडेंट भी चार-पांच नवम्बर तक आए जाएंगे।

जल्द होगा काम पूरा

बीडीके में 270 बैड के निर्माणाधीन अस्पताल का काम जल्द पूरा कर हो जाएगा। पीएमओ डॉ. संदीप पचार ने बताय कि निर्माण कार्य जनवरी में पूरा होगा। जिसके बाद ओपीडी, ऑपरेशन थियेटर आदि की सुविधा मिलेगी।

स्टूडेंट का तिलकार्चन कर किया अभिनंदन

झुंझुनू के सरकारी मेडिकल कॉलेज में आज पहले एमबीबीएस के बैच के छात्र और छात्राओं का स्वागत किया गया। प्रथम बैच के स्वागत के साथ ही झुंझुनू का नाम स्वास्थ्य के क्षेत्र में स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हुआ। कॉलेज में तिलक लगा कर एमबीबीएस के प्रथम बैच का अभिनंदन किया गया। इस कॉलेज का स्थानीय लोगों के द्वारा बेसब्री से इंतजार किया जा रहा था। नए छात्रों का स्वागत कॉलेज के प्रोफेसर द्वारा किया गया और सभी छात्र और छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीडीके अस्पताल के पीएमओ डॉ. संदीप पचार थे। कार्यक्रम में एकेडमिक इंचार्ज डॉ. राजेश कुमार, नोडल ऑफिसर डॉ. जेपी यादव भी मौजूद रहे।

कार्यक्रम में मेडिकल कॉलेज से डॉक्टर रेखा गहलोत एनाटॉमी, डॉक्टर पूनम महला बायोकेमेस्ट्री, डॉक्टर कविता यादव फिजियोलॉजी, एवं डॉक्टर भागीरथ बिश्नोई माइक्रोबायोलॉजी एवं अन्य टीचिंग फैकल्टी भी उपस्थित रही। कार्यक्रम का संचालन अंजना चौधरी ने किया।

कोचिंग्स के गढ़ कोटा में देश- प्रदेश के 30 से अधिक स्कूल संगठनों के संचालकों ने भरी हुंकार !!!

कोचिंगो को रेगुलेट करना सरकार के लिए बनी चुनौती, भेड़चाल से छिन रहा बच्चों का बचपन : निसा प्रांतीय प्रभारी

बड़े-बड़े होर्डिंग, सेलिब्रिटी टीचर, झूठे सपने और खोता बचपन, कोटा की हकीकत !!

शेखावाटी संदेश | झुंझुनू

कोचिंग संस्थानों के खिलाफ राजस्थान 25 जिलों के स्कूल संचालकों ने हुंकार भरते हुए कोचिंग की आड़ में चल रहे अवैधानिक स्कूल्स के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। प्राईवेट स्कूल एसोसिएशन, राजस्थान (कोटा) एवं प्राईवेट इंस्टीट्यूट्स प्रोसपैरिटी एलायंस (पैपा), निसा (नेशनल इंडिपेंडेंट स्कूल्स अलायंस) की कोटा स्थित होटल जी-20 में दो दिवसीय 'सार्थक संगत' अधिवेशन हुआ। वक्ताओं ने कहा कि बिना लाइसेंस के समानांतर व अवैध रूप से कक्षा 6 से 12 तक स्कूलें ही चला रहे हैं। कोचिंगों को रेगुलेट किये जाने से बच्चों को और अभिभावकों को शोषण से मुक्ति भी मिलेगी व सुरक्षित वातावरण में भेदभाव रहित शिक्षा भी मिलेगी।

कोचिंग संस्थाए विदेशी धन से चल रही हैं, इस पर रोक लगाई जाए, ताकि विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके। सार्थक संगत के उद्घाटन पर नेशनल इंडिपेंडेंट स्कूल अलायंस (निसा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष कुलभूषण शर्मा के मुख्य आतिथ्य में सर्व सम्मति से यह तय किया गया है कि राजस्थान में प्रस्तावित कोचिंग रेगुलेटरी एक्ट को केंद्रीय सरकार द्वारा जारी गाईडलाईस के मुताबिक तुरंत प्रभाव से पूर्ण सख्ती से लागू करवाए जाने के लिए सरकार दबाव बनाया जाएगा।

नेशनल इंडिपेंडेंट स्कूल अलायंस निसा के राजस्थान प्रभारी डॉ. दिलीप मोदी, इंडिपेंडेंट स्कूल एसोसिएशन एंड वेलफेयर सोसाइटी के कार्यवाहक अध्यक्ष केएन भाटी, प्राईवेट स्कूल एंड चिल्ड्रन वेलफेअर सोसाइटी की प्रदेश अध्यक्ष रितिका राठौड़, स्कूल क्रांति संघ के रिसाल सिंह पायल, स्वयंसेवी शिक्षण संस्था संरक्षण समिति के अनूप सिंह, न्यू आल स्कूल एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष भरतकुमार भाटी आदि संगठनों के मुखियाओं ने संयुक्त रूप से कहा कि प्राईवेट स्कूल्स के सामाजिक योगदान को कम नहीं आंकना चाहिए। केंद्र सरकार ने 11 बिंदुओं की कोचिंग गाईडलाईस बनाई हैं। इन गाईडलाईस के मुताबिक 16 वर्ष या 10वीं कक्षा तक के स्टूडेंट्स को किसी भी तरह की कोचिंग में नहीं पढ़ाया जा सकेगा, लेकिन कोचिंग संस्थान कक्षा 6 से ही धड़ल्ले से चल रहे हैं। कोचिंग संस्थान स्कूल नहीं चला सकते परंतु अवैधानिक स्कूल्स का संचालन भी कोचिंग संस्थान कर रहे हैं।

वक्ताओं ने कहा कि अवैधानिक रूप से चल रहे कोचिंग संस्थानों पर नियमानुसार लगाम यदि सरकार ने समय रहते नहीं लगाई तो बड़ा आंदोलन किया जाएगा। सार्थक संगत में सर्वसम्मति से डमी एडमिशन लेने व देने वाले प्राईवेट एवं सरकारी स्कूल्स पर शिक्षा विभाग द्वारा त्वरित कार्रवाई की मांग हेतु एक्शन प्लान बनाने पर वृहद चिंतन मनन किया गया। डमी एडमिशन दिलाने के जुर्म में अभिभावकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करने एवं डमी स्टूडेंट्स को परीक्षा से वंचित करने की कार्रवाई शिक्षा विभाग और बोर्डस द्वारा की जानी चाहिए। प्राईवेट स्कूल्स ने यह निश्चय कर लिया है कि अब हमें हमारे अधिकारों के लिए संघर्ष को बड़ा करना पड़ेगा।

कोटा में हुए दो दिवसीय अधिवेशन में मौजूद निजी संचालक।

- शिक्षा देना एक पवित्र सेवा कार्य है- विदेशी फंडिंग से कोचिंग संस्थान इसे मुनाफाखोरी का व्यापार ना बनाए।
- कोचिंग रेगुलेशन्स एक्ट आगामी विधानसभा में पारित कर अति शीघ्र सख्ती से धरातल पर लागू करे राजस्थान सरकार।
- सरकारी या निजी किसी भी स्कूल में डमी बच्चे (जो वास्तव में स्कूल नहीं बल्कि कोचिंग्स में जाते हैं) पाए जाने पर दोषी स्कूल, कोचिंग, विद्यार्थी व अभिभावक सभी पर सख्त कार्यवाही हो।
- केंद्र की गाइडलाइंस के अनुसार कक्षा 6th से 10th तक (16 वर्ष तक के) बच्चों की कोचिंग तुरंत बन्द करवाए। आगामी सत्र के कक्षा 10 तक कोचिंग्स में अग्रीम प्रवेश पर तुरंत रोक लगाए सरकार।
- कक्षा 12 तक शिक्षा प्रदान करने के लिए स्कूलें अधिकृत व पूर्ण सक्षम है- कोचिंग्स अवैध रूप से 6th से 12th तक समानांतर स्कूलें चलाने से बाज आए।
- स्कूल संचालक जाग चुके हैं- स्कूलों के अधिकार क्षेत्र में कोचिंग्स का गैरकानूनी अतिक्रमण अब नहीं चलेगा।
- अपने मुनाफाखोरी के अवैध धंधे के लालच में कोचिंग्स बच्चों व अभिभावकों को गुमराह कर उनका आर्थिक, मानसिक, भावनात्मक व शैक्षिक शोषण बंद करे।
- कोचिंग्स जवाब दें- 12वीं के साथ ही आखिर कितने प्रतिशत बच्चों का सिलेक्शन करवाते है..? डाटा सार्वजनिक करें।
- कोचिंग्स स्वतः संज्ञान लेकर स्कूलों का विकल्प बनना अब तुरंत बंद करे- वरना स्कूलें अब बर्दास्त नहीं करेंगी।
- स्कूलें 32 तरह के लाइसेंस से हाइली रेगुलेटेड हैं- सरकार कोचिंगों को भी तुरंत रेगुलेट कर स्कूल और कोचिंग को लेवल प्लेइंग फील्ड तो दें।
- कोचिंग्स की मनमानी से बच्चों का सर्वांगीण विकास रुकने और देश की शिक्षा की बर्बादी अब और नहीं होने देंगे।

कोचिंगों में 3 फीसदी का ही सलेक्शन, 97 फीसदी लौटते हैं बैरंग

निसा के राजस्थान प्रभारी डॉ. दिलीप मोदी ने कहा कि कोचिंग संस्थान नियम विरूद्ध जाकर काम कर रहे हैं। बच्चों को गुमराह किया जा रहा है। कोचिंग में पढ़ने वाले बच्चों में केवल तीन फीसदी बच्चों का ही सिलेक्शन होता है, 97 प्रतिशत बच्चों को बैरंग लौटना पड़ रहा है। सरकार ने 10 वीं तक कोचिंग नहीं पढ़ाने क निर्देश दिए हैं, फिर भी कोचिंग संस्थान नियम विरूद्ध प्रवेश ले रही है। जो बच्चे मेडिकल और इंजिनीरिंग के योग्य ही नहीं है उन्हें झूठे सपने बेचना कोचिंग बंद करें और आधुनिक युग व भावी तकनीक के साथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के अनुरूप अन्य कैरियर के लिये स्कूलें बच्चों को तैयार करवा सकें।

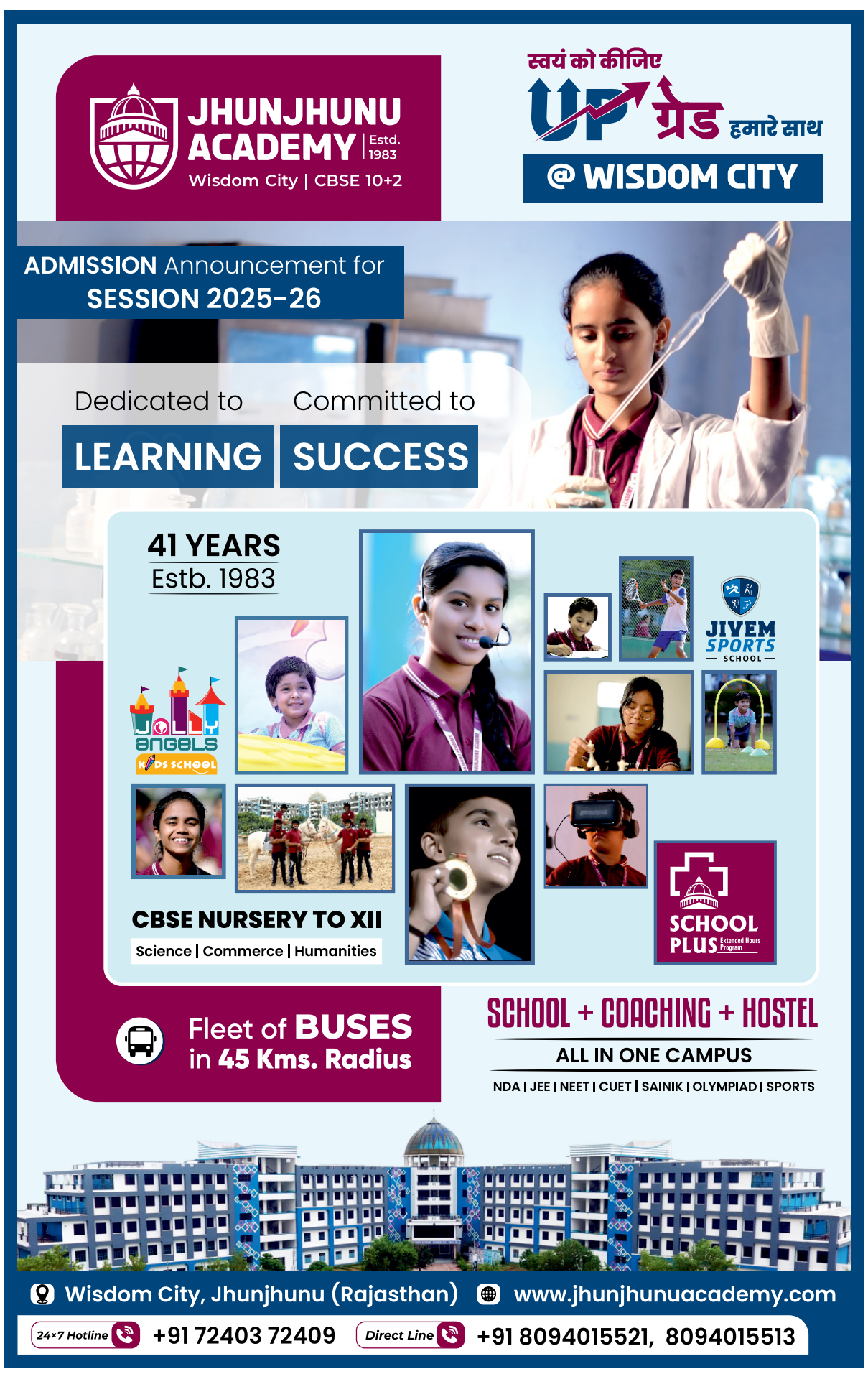

सार्थक संवाद : बोर्ड परीक्षा में बच्चों के अच्छे अंक लाने के लिए झुंझुनूं एकेडमी में अभिभावकों ने रखे विचार

अनुभवी व समर्पित टीचर्स की टीम ऑल इंडिया टॉप रिजल्ट देने के लिए सदैव कृतसंकल्पित

सार्थक संवाद

सभी पेरेंट्स का सपना होता है कि उनका बच्चें जीवन में सफल हो और अच्छा मुकाम हासिल करें। बच्चों के सामने 30 हजार से ज्यादा कॅरियर हैं। कौनसा कॅरियर उनके लिए उपयुक्त है, कौनसा विषय उनके लिए उपयुक्त है। बच्चे ऑल इंडिया में टॉप आने के लिए अपनी तैयारी कैसे करें..? इन सब मुद्दो पर चर्चा करने के लिए स्कूल के मीडिया प्रकोष्ठ की ओर से प्रकाशित शेखावाटी संदेश द्वारा कक्षा 10 एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा की पढ़ाई, परवरिश, शिक्षा, संस्कार, स्वास्थ्य, आगामी भविष्य और एआई के जमाने में भविष्य को लेकर सार्थक संवाद का आयोजन किया गया। सार्थक संवाद में मौजूद अभिभावकों ने कहा कि झुंझुनूं एकेडमी बच्चों का एडमिशन करवाने के बाद उनका उनके बच्चों में काफी सुधार आया है। यहां पर आने के बाद एवरेज बच्चें भी टॉपर बन गए हैं। यह सब यहां की अनुभवी व समर्पित टीम की मेहनत का परिणाम है। जिस संस्थान का ध्येय केवल बच्चों का सर्वांगीण विकास करना हो, वहां का परिणाम ऑल इंडिया में टॉप ही रहता है।

यहां एडमिशन करवाने के बाद आया बेटे में चेंज

उमेश जालान

यह खुशी की बात है कि स्कूल परिवार बोर्ड परीक्षा को लेकर सार्थक संवाद का आयोजन कर रहा है। बोर्ड परीक्षा को लेकर खासकर 10वीं बोर्ड की परीक्षा दे रहा बच्चा पहली बार बोर्ड परीक्षा का सामना करता है। मेरी बेटी यहीं पढ़ी है और बेटा भी यहीं पढ़ रहा है। बेटे में काफी चेंज है। वह पहले कहने से नहीं पढ़ता था अब उसको काम कहते हैं तो वह कहता है कि मैं पढ़ रहा हूं। उसमें सकरात्मक सोच बढ़ी है।

पैरेन्ट्स स्वास्थ्य पर दें ध्यान, फास्टफूड से बचें

डॉ. संदीप नेमीवाल

अजमेर से झुंझुनूं आने पर एक अच्छा स्कूल तलाश रहे थे, कई स्कूल में जाकर देखा, फिर झुंझुनूं एकेडमी में आए और इसे देखा। बेटी का यहीं एडमिशन करवा दिया। जब हम पढ़ते थे, तो केवल शिक्षक एकेडमिक पर ही ध्यान देते थे, खेलकूद आदि पर ध्यान नहीं दिया जाता था। सभी अभिभावक बच्चों के स्वास्थ्य पर पूरा ध्यान देना चाहिए। उन्हें हरी सब्जियां खिलाई। चटपटा खाना नहीं दें।

अपने बच्चों से कहें कि आपना शत-प्रतिशत दें

अनिल शर्मा

बोर्ड परीक्षा में स्टूडेंट को स्वयं अपनी जिम्मेदारी तय करनी होगी। कितने अंक लाने है, उनका लक्ष्य क्या है, इसका निर्धारण बच्चों को ही करने दें और उसके अनुरूप पढ़ाई के लिए उन्हें प्रेरित करें। यहां पर टीचर्स की टीम अपना काम बखूबी निभा रही है। अभिभावकों को भी चाहिए कि वे अपने बच्चों से कहें कि बोर्ड परीक्षा में अपना शत-प्रतिशत दें। परीक्षा के बाद उन्हें यह मलाल नहीं होना चाहिए कि हम और बेहतर कर सकते थे।

यहां पहले आते तो बेटा खेल में भी होता अव्वल

अरुण कुमार

यहां पढ़ाई के साथ-साथ खेलों में भी पूरा ध्यान दिया जाता है। बेटे की क्रिकेट व चैस में रूचि है। बेटा अक्सर कहता है कि आपने मेरा एडमिशन यहां पर पहले करवाया होता तो मैं पढ़ाई केसाथ-साथ खेल में भी अव्वल होता। बोर्ड की एग्जाम दे रहे स्टूडेंट घर पर कितनी देर पढ़ता है यह महत्वपूर्ण है। अभिभावकों को सुबह बच्चों के साथ जल्दी उठाना चाहिए। बच्चों को यह नहीं लगाना चाहिए कि वे तो जल्दी उठ रहे हैं और माता-पिता देर तक सो रहे हैं।

यहां पर आया तो एवरेज बच्चा था, अब अव्वल है

प्रवीण मील

बच्चे को जब यहां पर एडमिशन दिलवाया था तो वह एवरेज स्टूडेंट था, लेकिन अब वह अपनी क्लास में अव्वल रहता है। बेटे का नाम टी से शुरू होता है, ऐसे में उसका रोल नम्बर लास्ट में आता था, लेकिन स्कूल के नवाचार जिसमें जिसके अधिक नम्बर आएंगे उसको वैसे ही रोल नम्बर मिलेंगे। इसके बाद बेटे का रोल नम्बर कभी एक, कभी दो तो कभी तीन रहता है। यह सब स्कूल के टीचर्स की मेहनत है। बच्चों को पढ़ते समय डिस्ट्रब नहीं करें।

पढ़ाई के साथ खेलों में भी अव्वल

मोहम्मद आसिफ

बोर्ड परीक्षा में आए अंकों के आधार पर आगे का भविष्य तय होता है। बोर्ड परीक्षा में बच्चे अच्छे अंक कैसे लाए इसके लिए सामूहिक प्रयास जरूरी है। बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार करें। उन्हें कभी भी हतोत्साहित ना करें। एआई के जमाने में खुद को अपडेट रखें। बच्चो की कोई जिज्ञासा हो तो उसे सुनें और सुनकर उनकी जिज्ञासा को दूर करें। शिक्षकों से भी बात करके उनका फीडबैक देते रहें, और उनकी गतिविधियों को शिक्षकों से साझा करें।

यहां पर आकर बच्चा संस्कारवान बना

दीपेंद्र शेखावत

मेरी बेटी का यहां पर एडमिशन करवाया है। यहां पर गुणवत्तापूर्ण पढाई होती है। शिक्षक भी पूरा सहयोग करते हैं। यहां पर आने के बाद बच्चों में संस्कार भी आए हैं। नेशनल गेम्स भी बेटी खेल चुकी है। टीचर्स पढ़ाई को लेकर लगातार मेहनत करते रहते हैं। यहां आकर बच्चों में पहले से ज्यादा सुधार हुआ है। अभिभावकों को भी चाहिए कि वे घर पर बच्चो की पढ़ाई पर ध्यान दे। घर में पढ़ाई का माहौल तैयार करें। बच्चों पर अच्छे अंक लाने का किसी प्रकार का दबाव ना डालें।

पैरेन्ट्स भी बच्चों की हौसला अफजाई करें

मनीष केडिया

बोर्ड परीक्षा में अंक महत्वपूर्ण होते हैं। हमें बच्चों की हौसला अफजाई करनी चाहिए। बच्चों को किसी भी तरह से हतोत्साहित नहीं करना चाहिए। बच्चों को मोटिवेट करें। उनकी कोई समस्या हो तो उसे सुनें। ऑनलाइन क्लासेज के लिए ही फोन दें। स्कूल के अलावा घर में नियमित पढ़ाई के लिए बच्चों को प्रेरित करें। विषय का चुनाव करने में जल्दबाजी ना करें। बच्चों की कॅरियर कॉउसंलिंग करवाने के बाद ही बच्चों को विषय का चुनाव करवाएं।

घर में शांति का माहौल दें, डिस्ट्रब नहीं करें

बलदेव सिंह

यहां के टीचर्स के मोटिवेशन व उनकी मेहनत से यहां के बच्चे हर क्षेत्र में अव्वल रहते हैं। मेरी बड़ी बेटी की प्रेरणा से छोटी बेटी यहीं पढ़ रही है। बेटा भी यहीं पढ़ रहा है। हम बच्चों को कभी नहीं कहते कि तुम 10 या 11 बजे तक पढ़ो। वे यहां के शिक्षकों के मोटिवेशन से स्वयं ही रात को 11 बजे तक पढ़ते रहते हैं। मैं ड्यूटी पर चला जाता हूं। पत्नी गृहिणी है। हम बच्चों को पढ़ते समय डिस्ट्रब नहीं करते है। यहां की समर्पित टीम के चलते बच्चे तनाव मुक्त रहते हैं।

बच्चे डिजिटल युग में खुद को अपडेट करें

नरेंद्र गुप्ता

मेरे दोनों बच्चे शुरू से यहीं पढ़ रहे हैं। यहां पर पढ़ाई का स्तर बहुत अच्छा है। यहां की समर्पित टीम ने बच्चों को टॉप बना दिया है। यहां का हर स्टूडेंट अव्वल होता है। यहां की टीम बच्चों को कभी तनाव में नहीं आने देती। आज की जनरेशन काफी एडवांस है। ऐसे में हमें भी एडवांस होना होगा। एआई के जमाने में बच्चे हर समस्या का समाधान मोबाइल पर ही तलाशते हैं। हमें भी एआई समेत लेटेस्ट तकनीक की जानकारी होनी चाहिए।

यहां के स्टूडेंट हर क्षेत्र में हो रहे अव्वल

मीर सिंह

यहां के स्टूडेंट सभी क्षेत्र में अव्वल रहते है। यहां पर पढ़ाई का ऐसा माहौल है कि स्टूडेंट का पढ़ाई मन लगा रहता है और हर सब्जेक्ट्स पर उसकी पकड़ मजबूत हो जाती है। यह सब टीचर्स की मेहनत का ही परिणाम है। टीचर्स बच्चों का रिजल्ट और बेहतर कैसे हो इस पर लगातार मेहनत करते हैं। अभिभावकों की जिम्मेदारी है कि वे बच्चों को घर पर भी पढ़ाई का बेहतर माहौल दें। बच्चों को बोर्ड परीक्षा की अहमियत बताएं। सभी सब्जेक्ट्स को बराबर समय दें।

बेटा पहले एवरेज था, अब टॉपर बन गया

सज्जन कुमार

गुजरात से बेटे को झुंझुनूं एकेडमी में एडमिशन करवाया। पहले बेटा एवरेज था यहां पर एडमिशन करवाने के बाद टॉपर बन गया है। हमने जो सपने देखे तो उनको पूरा नहीं कर पाए, लेकिन बेटे को अच्छी शिक्षा दिलाकर उसके सपने पूरे करवाएंगे। पहले बेटा मोबाइल में व्यस्त रहता था, लेकिन अब वह काम होने पर ही मोबाइल का उपयोग करते हैं। यहां के टीचर्स के मोटिवेशन से बेटा पढ़ाई में अव्वल है।

टीचर्स के मोटिवेशन से घर में खुद पढ़ते हैं बच्चें

मुकेश

स्कूल में पढने के बाद बच्चे घर में कितनी देर पढ़ते हैं, यह सबसे महत्वपूर्ण है। यहां के टीचर्स के मोटिवेशन से बच्चे पढ़ाई को लेकर सजग रहते हैं, वे घर पर आकर बिना कहे ही पढ़ते हैं। मोबाइल फोन का उपयोग भी जरूरत होने पर करते हैं। यहां की समर्पित टीम के चलते बच्चे खुशनुमा माहौला में अध्ययन करते हैं, जिससे उनके सभी सब्जेक्ट्स में एकदम क्लियर रहते हैं। पेरेंट्स भी खुद को अपडेट रखें।

यहां के स्टूडेंट अपने बुजुर्गों का करते हैं सम्मान

दरिया सिंह

यहां पर पढ़ाई के साथ-साथ बच्चों में संस्कारों का बीजारोपण भी किया जाता है। यहां पर पढने वाले स्टूडेंट अपने से बड़ों का पूरा सम्मान करते हैं। बड़े बुजुर्गों का आदर करते हैं। संस्कारयुक्त शिक्षा ही बच्चों को आदर्श व गुणवान नागरिक बनती है। यहां का मैनेजमेंट, टीचर्स सभी बच्चों को संस्कारयुक्त शिक्षा देकर भविष्य के अच्छे नगारिक तैयार करने के लिए दिनरात मेहतन कर रहे हैं।

यहां आकर बेटा हुआ होशियार

संजय सिंह

पहले बेटा दिल्ली में पढ़ता था। यहां पर एडमिशन करवाने के बाद बेटे में काफी परिवर्तन आया है, वह काफी होशियार हो गया है और बैडमिंटन पर राष्ट्रीय स्तर पर खेल रहा है। यह सब स्कूल प्रबंधन की वजह से हुआ है। स्कूल की सबसे खास बात यह है कि यहां पर लैपटॉप व मोबाइल का यूज नहीं होता है। जिससे बच्चे मोबाइल व लैपटॉप से दूर रहते हैं। यही बच्चों के लिए टर्निंग पॉइंट सबित हुआ।

किताबों के चयन पर दिया जाता है पूरा ध्यान

योगेश खंडेलिया

बच्चों की अच्छी पढ़ाई में किताबों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। अन्य शिक्षण संस्थाएं निजी पब्लिशर्स की बुक से पढ़ाते हैं, वे उसमें अपना कमिशन देखते हैं, लेकिन झुंझुनूं एकेडमी स्कूल में एनसीईआरटी की किताबों का चयन किया जाता है। बच्चे पर किताबों के शुल्क का अनावश्यक दबाव भी नहीं पड़ता, और अच्छी पढ़ाई भी होती है। बोर्ड परीक्षा में सभी प्रश्न एनसीईआरटी की किताबों से ही आते हैं।

स्टूडेंट कॉन्फिडेंस से करते हैं समस्या का समाधान

गणेश सिंह

जो बच्चे कॉन्फिडेंस से भरे होते हैं, वे हर समस्या का समाधान सहजता से कर देते हैं। यहां के स्टूडेंट में कॉन्फिडेंस है। वे किसी समस्या से घबराते नहीं है। हर समस्या का समाधान तलाशने की कोशिश करते हैं। यहां का मैनेजमेंट बच्चे के भविष्य को लेकर अभिभावकों से ज्यादा चिंतित रहता है। यहां के टीचर्स ने एवरेज रहने वाले बच्चों को भी टॉपर बना दिया। आज वे बच्चे उच्च पदों पर अपनी सेवा दें रहे हैं।

पढ़ाई का ऐसा माहौल ओर कहीं नहीं

संदीप केडिया

यहां पर जैसा पढ़ाई का माहौल है वैसा और कहीं नहीं है। यहां के टीचर्स पहले दिन से ही स्टूडेंट को इस तरह से पढ़ाते हैं कि उनके सभी सब्जेक्ट्स समय से पूर्व ही क्लियर करवा दिए जाते हैं। स्टूडेंट के कोई समस्या आए तो वह रीविजन में क्लियर हो जाती है। यहां के स्टूडेंट पर पढ़ाई को किसी भी प्रकार का दबाव नहीं डाला जाता, जिससे बच्चा आराम से अपनी पढ़ाई करता और टॉपर रहता है।

बच्चों से कहें खुद के साथ कॉम्पिटिशन करें

सुनील कुमार

पेरेंट्स खुद फोन में व्यस्त रहते हैं और बच्चों को फोन का इस्तेमाल करने से रोकते हैं। कई पेरेंट्स बच्चों को फोन देकर सो जाते हैं। हमें बच्चों के साथ जागना होगा। कई टॉपिक के लिए बच्चों को ऑनलाइन क्लास लेनी पड़ती है। ऑनलाइन क्लासेज के दौरान उनके पास रहें। सप्ताह में एक दिन डाउट क्लियरिंग सेशन रखा जाए। बच्चों को कहें वे खुद से कॉम्पिटिशन करें। सह शैक्षणिक गतिविधियों से बच्चों में खुलापन आता है।

घर पर बच्चों को मोबाइल से दूर रखें

शीशराम झाझड़िया

मेरी दोनो बेटियों यहीं से पढ़ कर गई हैं, बेटा यहीं पढ़ रहा है। यहां पर काफी अच्छे संस्कार बच्चों को दिए जाते हैं। यहां के टीचर्स की मेहनत है कि बेटियों ने काफी अच्छे अंक प्राप्त किए और बेटा भी होशियार हो गया है। अच्छे अंक लाने के लिए बच्चों का पूरा ध्यान पढ़ाई पर होना चाहिए। बच्चों को मोबाइल का यूज नहीं करने दें। मोबाइल स्वास्थ्य के लिए तो हानिकारक है ही, साथ ही उनकी पढ़ाई को भी बर्बाद करता है।

शेखावाटी संदेश www.shekhawatisandesh.com /ShekhawatiSandeshNews

सार्थक संवाद : बोर्ड में बच्चों के अच्छे अंक लाने के लिए झुंझुनूं एकेडमी नवाचारों से स्टूडेंट में बढ़ा आत्मविश्वास

पेस प्रोग्राम का फुलप्रूफ सिस्टम साल दर साल सर्वश्रेष्ठ रिजल्ट देने का अचूक फार्मूला है

सार्थक संवाद

सार्थक संवाद में मातृ शक्ति की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही। मातृ शक्ति ने एक स्वर में कहा कि, झुंझुनूं एकेडमी में बच्चों का प्रवेश देने के बाद उनके बच्चों में काफी सुधार आया है। यहां के टीचर्स की मेहनत का परिणाम है कि उनके बच्चे हर फील्ड में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रहे हैं। बच्चों में पढ़ाई को लेकर किसी भी प्रकार का डाउट नहीं है। उनके बच्चों की सभी सब्जेक्ट्स में अच्छी पकड़ बन गई है। यहां पर बच्चों के सर्वांगीण विकास को लेकर मैनेजमेंट टीम का समर्पण ही है कि, यहां का स्टूडेंट जिस भी फील्ड में उतरता है अन्य से बेहतर प्रदर्शन करता है। यहां पर एडमिशन करवाने के बाद बच्चें अनुशासित हो गए, समय पर हर काम करते हैं, उनमें संस्कारों का बीजारोपण हुआ है। एआई के दौरान में यहां का स्टाफ अपडेट रहता है। मैनेजमेंट द्वारा लेटेस्ट तकनीक का उपयोग करके स्टूडेंट की योग्यताओं में और निखार लाते हैं। 10वीं के स्टूडेंट को विषय के चुनाव में कोई परेशानी नहीं आए इसके लिए भी काउंसलिंग की जाती है, जिससे स्टूडेंट का भविष्य बेहतर रहे।

बेटा पहले शार्मिला, अब बोलने में हुआ होशियार

संगीता राठौड़

यहां की पढ़ाई अव्वल है। बेटे में काफी सुधार हुआ है। बेटा पहले शर्मिला था, लेकिन अब बोलने में होशियार हो गया है। उसका आत्मविश्वास बढ़ा है। बच्चें कच्ची मिट्टी के समान होते हैं, उन्हें हम जैसा ढालेंगे, ढल जाएंगे। यहा का स्टाफ काफी सहयोगी है। एक्ट्रा क्लासेज के बाद स्कूल स्टाफ बेटे को बस स्टैंड तक छोड़ना हो या अन्य कोई सहायता करनी हो, सदैव तत्पर रहता है। जिससे हमें भी कोई परेशानी नहीं होती।

पढ़ाई के साथ स्पोर्ट्स में अव्वल बनाते हैं

ईशादीप

यहां पर बच्चों को पढ़ाई के साथ- साथ खेलों में भी अव्वल बनाया जाता है। उनको संस्कार भी दिए जाते हैं। आर्मी के लिए शूरवीर क्लासेज में बच्चों में देशभक्ति का जज्बा पैदा किया जाता है। सभी अभिभावक चाहते हैं, कि उनके बच्चे समाज में नाम कमाएं, जिस भी क्षेत्र में जाएं उसमें सफलता मिले, आर्थिक सम्पन्नता का जीवन जिएं। यहां पर बच्चों का पूरा ध्यान रखा जाता है।

यहां आने के बाद बेटी खुद लेती है अपने डिसिजन

मधु वर्मा

बेटियों का आत्मनिर्भर होना जरूरी है। बेटी का यहां एडमिशन करवाने के बाद वह अपने डिसिजन खुद ले लेती है। उसे पता है कि क्या गलत और क्या सही। स्कूल में एकेडमिक के साथ-साथ खेलों पर भी पूरा ध्यान दिया जाता है। बेटी ने अभी बॉक्सिंग स्वर्ण पदक जीता। खेल कॉम्पिटिशन में जाने के बाद भी उसकी पढ़ाई में किसी किसी भी तरह से बाधित नहीं होती। यहां का स्टाफ ने पढ़ाई और खेल दोनों में बेटी को अव्वल बना दिया है।

एडमिशन करवाने के बाद हुई प्रोग्रेस

शीतल बागोरिया

मैं बिहार से हूं और मेरा भतीजा यहां पर पढ़ता है। यहां पर एडमिशन करवाने के बाद उसमें काफी प्रोग्रेस हुई है। यहां की पढ़ाई को देखते हुए बच्चे के पेरेंट्स ने अगली बार अपनी बेटी को यहीं पढ़ाने का फैसला लिया है। हमें उसकी पढ़ाई को लेकर कोई चिंता नहीं है। आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस स्कूल के बारे में जितना सुना था उससे कहीं बेहतर पाया। पैरेंट्स की टेंशन कम हुई है।

टीचर्स लेते है बच्चे को गोद

सुनीता देवी

झुंझुनूं एकेडमी नवाचरों का स्कूल है। स्कूल में टीचर्स बच्चों को गोद लेकर उनके अभिभावक की भूमिका में रहते हैं। अभिभावक होने के नाते हमारी सारी चिंताएं दूर हो गई है। बच्चा स्कूल में क्या करता है..., कितनी देर पढ़ता है, अन्य एक्टिविट में कैसे परफोर्म करता है इन सब बातों का ध्यान टीचर्स बखूबी रखते हैं और बच्चे का सर्वांगीण विकास के लिए अभिभावक व टीचर्स की भूमिका एक साथ निभाते हुए बच्चे को टॉपर बनाते हैं।

सह शैक्षणिक गतिविधियों से आता है खुलापन

कंचन देवी

स्कूल में होने वाली सह शैक्षणिक गतिविधियों स्टूडेंट के इम्प्रुवमेंट में काफी मायने रखती है। यहां पढ़ाई के साथ-साथ होने वाली सह शैक्षणिक गतिविधियों में सभी स्टूडेंट भाग लेते हैं। जिससे बच्चों में खुलापन आता है। इससे उनके बात करने का तरीका, लोगों से मिलने का तरीका, ग्रुप में डिस्कशन, डिबेट, स्पीकिंग, राइटिंग समेत अन्य गतिविधियों में बच्चे होशियार होते हैं। वे कहीं भी जाएं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके ही आते हैं।

बेटी पहले से पढ़ रही है, बेटे को भी यहीं भेजेंगे

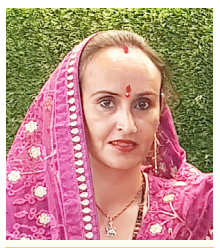

मंजू देवी

यहा का मैनेजमैंट और टीचर्स स्टाफ का सहयोग इतना अच्छा है कि बेटे को भी यहीं पढ़ने भेजेंगे। बेटी पहले से पढ़ रही है और वह स्कूल की टॉप स्टूडेंट में शामिल है। बेटी के कॅरियर टीचर्स उसे गाइड करते हैं। पढ़ाई हो, खेल हो या अन्य एक्टिविटी, यहां का स्टाफ उन पर मॉनिटरिंग करते हैं। स्कूल में बच्चों को घर जैसा माहौला मिला है। टीचर्स भी फ्रेंडली व्यवहार रखते हैं। हमारी बेटी अच्छा प्रदर्शन कर रही है।

जैसा नाम धरातल पर उससे ज्यादा काम

नीतु कुमारी

बड़े स्कूल लुभावने वादे तो करते हैं, लेकिन धरातल पर कुछ काम नहीं होता। यहा पर ऐसा नहीं है, जैसा नाम धरातल पर उससे ज्यादा काम होता है। बच्चे के सर्वांगीण विकास कैसे करना ही है, इसी पर पूरा फोकस रहता है। अभिभावकों से ज्यादा केयर में टीचर्स करते हैं। एकेडमिक हो या फिर स्पोर्ट्स एक्टिविटी हर फील्ड में यहां के स्टूडेंट आगे रहते हैं।

साल भर चलता है परीक्षाओं का दौर

किरण देवी

बोर्ड परीक्षा में आए अंक भविष्य की रूपरेखा तय करते हैं। बोर्ड में स्टूडेंट के अच्छे अंक आए, इसके लिए यहां पर साल भर परीक्षाओं का दौर चलता है। स्टूडेंट को हर सब्जेक्ट्स के आसान से लेकर हार्ड पेपर बनाकर पेपर तैयार करके उनका टेस्ट लिया जाता है, जिससे स्टूडेंट के बोर्ड परीक्षा के सभी डाउट परीक्षा से बहुत पहले ही दूर हो जाते हैं, और स्टूडेंट परीक्षा के लिए पूरी तरह तैयार रहता है।

उन्मेष सेमिनार होता है बच्चों के लिए बूस्टर डोज

अनिता

बोर्ड परीक्षा के विद्यार्थियों के लिए डॉ. दिलीप मोदी के द्वारा मोटिवेशनल सेमिनार उन्मेष का आयोजन किया जाता है। यह सेमिनार स्टूडेंट में नई ऊर्जा व जोश भरने का काम करता है। यह सेमिनार स्टूडेंट के लिए बूस्टर डोज का काम करता है। डॉ. मोदी के सेमिनार से आत्मविश्वास बढ़ता है, वे पहले से ज्यादा अच्छा कर पाते हैं। बच्चों की पढ़ाई में भी पहले से ज्यादा अच्छी हुई है।

बोर्ड पैर्टन के आधार पर होती है तैयारी

बेला देवी

स्टूडेंट को बोर्ड का पैर्टन समझ में आ जाता है वह स्टूडेंट टॉपर रहता है। झुंझुनूं एकेडमी में भी बोर्ड पैर्टन के आधार पर तैयारी करवाई जाती है। रोल नम्बर लिखने से लेकर प्रश्न पत्र तक सब कुछ बोर्ड पैर्टन के अनुसार ही होता है। इससे स्टूडेंट को तो अपनी तैयारी का पता चलता ही है टीचर्स को भी स्टूडेंट की तैयारी का पता चलता रहता है और टीचर्स उस आधार पर स्टूडेंट की पढ़ाई को और बेहतर करके उसे टॉपर बनाते हैं।

बच्चों में पढ़ाई के साथ अनुशासन भी आया

मंजू देवी

पढ़ाई को लेकर यहां पर किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं है। बच्चों में पढ़ाई के साथ-साथ अनुशासन भी आया है। घर पर उनका पढ़ाई का टाइम टेबल फिक्स रहता है। कितनी देर खेलना है और कितनी देर पढ़ना है। यह सब यहां की पढ़ाई और टीचर्स के नेचर के कारण हुआ है। जिनके जीवन में अनुशासन है वे हर फील्ड में आगे बढ़ते हैं। यहां का स्टाफ केवल पढ़ाई ही नहीं करवाता अनुशासन में रहकर जीवन जीने की प्रेरणा देता है।

10वीं व 12 के सभी वर्ग में यहां के स्टूडेंट टॉपर

सुमन देवी

यहां बच्चों को केवल पढ़ाया नहीं जाता उन्हें टॉपर बनाया जाता है। बोर्ड परीक्षा में 10वीं, 12वीं कला, वाणिज्य व विज्ञान वर्ग में टॉपर स्टूडेंट झुंझुनूं एकेडमी के स्टूडेंट रहे है। यह मैनेजेंट व टीचर्स की मेहनत का ही परिणाम है कि यहां का रिजल्ट अन्य स्कूलों बेहतर रहता है और स्टूडेंट टॉपर रहता है। यहां पर स्टूडेंट को हर कॉम्पिटिशन के लिए तैयार किया जाता है, ताकि की कोई भी एग्जाम हो स्टूडेंट कॉन्फिडेंस के साथ एग्जाम को क्लियर कर लेता है।

पहले से काफी एक्टिव रहता है बेटा

मनेष देवी

पहले बच्चों को पंजाब में पढ़ा रहे थे। बाद में यहां पर प्रवेश दिलवाया। अब बच्चों में काफी सुधार है। छोटा बेटा काफी एक्टिव रहता है। बड़े बेटे ने शूटिंग गेम में हिस्सा लेकर अपनी प्रतिभा दिखाई है। बोर्ड परीक्षा को लेकर यहां पर विशेष टेस्ट का आयोजन करवाया जाता है। बेटा घर में बदमाशी करता है तो उसे कहते हैं कि तेरा एडमिशन दूसरी स्कूल में करवा देंगे तो वह रोने लगता है और कहता मैं बदमाशी नहीं करूंगा मेरा एडमिशन यहीं रहने दो।

हर विषय में टॉपर इस लिए मैरिट वाला स्कूल

विनोद देवी

झुंझुनूं एकेडमी को मैरिट वाला स्कूल कहा जाता है। यह मैनेजमेंट के वर्षों की तपस्या का परिणाम है। यहां का विद्यार्थी हर विषय में टॉप करता है। हर साल इस स्कूल से ही टॉपर विद्यार्थी निकलते हैं। ऐसा कोई साल नहीं है जिस वर्ष इस स्कूल से मैरिट नहीं आई हो। टीचर्स घर पर आकर भी पढ़ाते हैं। यहां साथ खेलो सहित अन्य एक्टिविटी पर पूरा ध्यान दिया जाता है। घर पर आने के बाद उनका पूरा ध्यान अपनी पढ़ाई पर ही होता है।

यहां के नवाचार से स्टूडेंट हुए अव्वल

रींकू

आज गली-गली में स्कूल खुल गए हैं। वहां पर भी पढ़ाई होती है, लेकिन झुंझुनूं एकेडमी स्कूल में पढ़ाई तक सीमित नहीं रहती। स्कूल के बाद बच्चा घर पर कितनी देर पढ़ता है। उसकी एक्टिविटिज क्या रहती है, इस पर भी पूरा ध्यान दिया जाता है। टीचर्स घर पर आकर बच्चों की समस्याओं के बारे में पूछते हैं। बच्चों का फीडबैक लेते है बच्चो को घर पर आकर उनके सभी डाउट को क्लियर करवाते हैं। पैरेंट को भी लगातार मोटिवेट करते रहते हैं।

संडे व एक्स्ट्रा क्लासेज स्टूडेंट के लिए महत्वपूर्ण

ममता देवी

स्कूल में पढ़ाई के बाद मैनेजमैंट द्वारा एक्स्ट्रा व संडे क्लासेज लगाने की पहल बहुत ही शानदार है। जो स्टूडेंट के लिए काफी महत्वपूर्ण साबित हो रही है। संडे क्लासेज में स्टूडेंट टीचर्स से सभी डाउट पूछ कर उन्हें समय पर ही क्लियर कर लेते हैं। अभिभावक अक्सर बच्चे के लिए ट्यूशन की तलाश में रहते हैं, लेकिन झुंझुनूं एकेडमी ने एक्स्ट्रा व संडे क्लासेज लगाकर अभिभावकों की यह चिंता भी दूर कर रखी है।

लेटेस्ट सॉफ्टवेयर से तैयार पेपर से परीक्षा

आकाश मोदी

स्टूडेंट का रिजल्ट कैसे इम्प्रुव हो, इसके लिए हर समय मेहनत करते रहते हैं। यहां पर पेस प्रोग्राम व आरपीटीएस प्रोग्राम में स्टूटेंट के टेस्ट लेटेस्ट सॉफ्टवेयर से तैयार करके लिए जाते हैं, जिनके ऑन्सर टीचर्स को भी नहीं पता होते हैं, जिससे स्टूडेंट के साथ-साथ टीचर्स की भी एग्जाम होता है। हम यहां पर पढ़ने वाले स्टूडेंट को हम हर फील्ड का टॉपर बनाकर भेजते हैं।

शिक्षक-अभिभावक मिलकर काम करें

कुरड़ाराम धींवा

बोर्ड परीक्षा परिणाम को बेहतर बनाने के लिए अभिभावकों व टीचर्स को मिलकर काम करना होगा। सार्थक संवाद में अभिभावकों ने जो सुझाव दिए हैं वो हमारे लिए प्रेरणा का काम करेंगे और इस स्कूल हो साल दर साल और इम्प्रुव करने के लिए प्रेरित करेंगे। मैनेजमेंट व टीचर्स की टीम दिनरात स्टूडेंट के सुनहरे भविष्य के लिए हमेशा तत्पर रहती है। हम स्टूडेंट की समस्या को अपनी समस्या मान कर उसका समाधान करते हैं।

हमारा ध्येय, विद्यार्थियों का हो सर्वांगीण विकास

डॉ. दिलीप मोदी

हमारा सदैव एक ही ध्येय रहा है, यहां पर पढ़ने वाले विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो। हम हर साल बच्चों के परिणाम को और बेहतर बनाते हैं। स्टूडेंट के सामने 30 हजार से ज्यादा कॅरियर के चांस है। बच्चे भेड़चाल में एक-दो कॅरियर पर ध्यान देकर कोचिंग की ओर चले जाते हैं, जहां पैसा और बच्चे की पढ़ाई और समय बर्बाद होता है। बच्चे को 12वीं तक स्कूल में ही पढ़ाए। उनके बेसिक फंडामेंटल क्लियर होने आवश्यक हैं।

एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग अवॉर्ड 2024-25 से किया गया सम्मानित

झुंझुनू एकेडमी को लगातार 7वीं बार एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग अवार्ड

शेखावाटी संदेश | झुंझुनू

झुंझुनूं एकेडमी सदैव श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम देने के साथ अपने नवाचारों व खेलों में बेहतरीन खिलाड़ी तैयार करने के लिए जाना जाता है। झुंझुनूं एकेडमी का परीक्षा परिणाम हो या फिर स्पोर्ट्स एक्टिविटी झुंझुनूं एकेडमी जिले में ही नहीं देश में अपनी अलग पहचान रखता है। झुंझुनूं एकेडमी की श्रेष्ठता व विद्यार्थियों के लिए प्रतिबद्धता ने रोज नए आयाम स्थापित कर रही है। इन शानदार उपलब्धियों के चलते अनेक पुरस्कार झुंझुनूं एकेडमी को मिले है। इसी कड़ी में अब एक और पुरस्कार जुड़ गया है।

झुंझुनूं एकेडमी सीबीएसई स्कूल को होटल लीला गुरुग्राम में एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग अवॉर्ड 2024-25 से सम्मानित किया गया है। होटल लीला गुरुग्राम में आयोजित सम्मान समारोह में झुंझुनूं एकेडमी चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी को 'बजट प्राइवेट स्कूल' कैटेगरी में, छात्रावास निदेशक कुरड़ाराम धींवा को 'को-एड डे कम बोर्डिंग स्कूल' कैटेगरी में एज्युकेशन वर्ल्ड इण्डिया स्कूल के चेयरपर्सन दिलीप ठाकुर तथा गुरप ऑफ स्कूल सनबीम वाराणसी के चेयरमैन दीपक मधोक द्वारा सम्मानित किया गया। झुंझुनूं एकेडमी को सम्मानित करते हुए आयोजक संस्था के वक्ताओं ने कहा कि झुंझुनूं एकेडमी विद्यालय राजस्थान का ऐसा विद्यालय है जहां शिक्षण पद्धति में आधुनिकतम तकनीकों का समावेश कर अध्ययन-अध्यापन के कार्य को और अधिक सुगम, सहज एवं रूचिकर बनाने के लिए अनेक नवाचार किए गए हैं। यहां से पढ़ने वाले विद्यार्थी जीवन में अच्छी सफलताएं प्राप्त कर देश-विदेश में उच्च प्रतिष्ठित पदों पर अपनी सेवाएं दे रहे हैं। जानकारी देते हुए स्कूल निदेशक आकाश मोदी ने बताया कि शिक्षा क्षेत्र की जानी-मानी पत्रिका एज्युकेशन वर्ल्ड द्वारा आयोजित इस सम्मान कार्यक्रम में झुंझुनूं एकेडमी प्रबंधन द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए गए नवाचारों, शिक्षा में तकनीकी के समावेश एवं विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास के लिए किए गए प्रयासों को एक पहचान देते हुए दो अलग-अलग कैटेगरी में अवॉर्ड देकर सम्मानित किया गया है।

दिल्ली में सम्मानित होते झुंझुनू एकेडमी चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी एवं छात्रावास अधीक्षक कुरड़ाराम धींवा

'घर से दूर आदर्श घर के नाम से विख्यात जीवेम् हॉस्टल अपने पौष्टिक भोजन, आवास, खेल, अतिरिक्त कक्षाएँ इत्यादि शानदार व्यवस्थाओं के लिए हमेशा अग्रणी रहा है। अफोर्डेबल फीस में महानगरों जैसी सुविधाएं देने वाला जीवेम् हॉस्टल हर विद्यार्थी के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास हेतु कटिबद्ध रहा है। इसी के साथ-साथ झुंझुनूं एकेडमी की शैक्षणिक प्रतिष्ठा, गुणवत्ता एवं प्रबंधन की नेतृत्व क्षमता के आधार पर स्कूल को 'को-एड डे कम बोर्डिंग स्कूल' कैटेगरी में ऑल इण्डिया में दसवीं, राजस्थान में छठी तथा झुंझुनूं जिले में प्रथम रैंक व 'बजट प्राइवेट स्कूल' कैटेगरी में ऑल इण्डिया में पांचवी, राजस्थान में दूसरी तथा जिले में प्रथम रैंक प्राप्त हुई।

इस उपलब्धि पर स्कूल प्राचार्य डॉ. रवि शंकर शर्मा ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि लगातार सातवीं बार इस तरह का अवॉर्ड मिलना यकीनन स्कूल के लिए ही नहीं अपितु शेखावाटी के लिए गौरव की बात है और यह तभी संभव हो पाता है जब स्कूल अपनी क्वालिटी एज्युकेशन को लगातार जारी रखे।

स्कूल उप. प्राचार्या सरोज सिंह ने इस अवसर पर खुशी जताते हुए कहा कि आज की बदलती प्रतिस्पर्धात्मक परिस्थितियों में विद्यार्थी को प्रत्येक विषय के सामान्य ज्ञान के साथ संस्कारित जीवन मूल्यों का ज्ञान होना अति आवश्यक है ताकि वह अपने आपको भावी समाज के लिए एक सुयोग्य नागरिक के रूप में तैयार कर सके और झुंझुनूं एकेडमी इसके लिए सदैव कटिबद्ध है। इस अवसर पर जीवेम मैनेजिंग डायरेक्टर नीरजा मोदी, स्कूल निदेशक आकाश मोदी, गरिमा मोदी, स्कूल प्राचार्य डॉ. रविशंकर शर्मा, उप.प्राचार्या सरोज सिंह, एडमिशन डायरेक्टर श्यामसुन्दर शर्मा, हैड.मिस्ट्रेस उमा शर्मा, स्कूल प्रशासक कमलेश कुलहरि सहित स्टाफ सदस्यों ने खुशी व्यक्त की।

सभी गतिविधियों में श्रेष्ठ रही झुंझुनू एकेडमी

एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैंकिंग अवॉर्ड सम्मान अत्यंत कड़े मापदंडो को पूरा करने के बाद दिया जाता है। इसमें संबंधित शिक्षण संस्थान की सभी गतिविधियों को बारीकी से चैक किया जाता है। जिसके बाद किसी भी शिक्षण संस्थान को इस अवॉर्ड से नवाजा जाता है। एकेडमी को संपूर्ण राजस्थान में अपने अभूतपूर्व परीक्षा परिणाम, असाधारण स्पोर्ट्स फैसिलिटिज एवं एक्सक्लूसिव सह-शैक्षणिक गतिविधियों तथा राष्ट्रीय, राज्य एवं जिला स्तर पर क्रिकेट, बैडमिंटन, लॉन टेनिस जैसे अनेक खेलों में 97 गोल्ड, 41 सिल्वर एवं 40 ब्रॉन्ज मेडल सहित 178 मेडल जीतने व 11 खिलाड़ियों का राष्ट्रीय स्तर व 52 खिलाड़ियों का राज्य स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में चयन जैसी उपलब्धियों पर यह अवॉर्ड दिया गया।

क्या है `एजुकेशन वर्ल्ड' इंडिया रैंकिंग

'एजुकेशन वर्ल्ड' छात्रों और अभिभावकों की जरूरत और आकांक्षाओं को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष मूल्यांकन सुनिश्चित करती है। प्रसिद्ध शिक्षाविदों की उपस्थिति में अनुसंधान और विश्लेषण संचालित कराती है, यह संस्था एक ऐसे निर्णायक प्रणाली का निर्माण करती है जिसमें छात्रों के विकास के सभी पहलुओं का मूल्यांकन किया जाता है, इसमें शैक्षणिक और सह-शैक्षणिक दोनों में ही छात्र क्षमताओं का आकलन किया जाता है। जिसमे शैक्षणिक प्रदर्शन, शिक्षक गुणवत्ता, छात्रों की सहभागिता, विद्यालय का बुनियादी ढांचा एवं समग्र छात्र विकास आदि शामिल है।

उपलब्धि : क्रिकेट के मैदान पर चौके छक्के लगाएगी हैप्पी खीचड़

शेखावाटी संदेश | झुंझुनू

झुंझुनू की बेटियां किसी से भी कम नहीं है। हर क्षेत्र में हमारी बेटियों ने परचम लहराया है। सेना से लेकर लड़ाकू विमान उड़ाने में भी जिले की बेटियां नहीं घबराई। खेलों की बात हो तो सभी खेलों में बेटियों ने अपना दमखम दिखाया है। क्रिकेट में भी झुंझुनू की बेटियों पर बल्लेबाजी और गेंदबाजी का हुनर दिखा रही है। झुंझुनूं एकेडमी की छात्रा हैप्पी खीचड़ भी मैदान पर अपना हुनर दिखाएगी, बल्कि राजस्थान रणजी अंडर-19 क्रिकेट टीम में वाइस-कैप्टन के रूप में राजस्थान क्रिकेट टीम का प्रतिनिधत्व करेगी।

ट्रॉफी के साथ हैप्पी कुमारी

तीन साल से झुंझुनू एकेडमी स्थित क्रिकेट एकेडमी में कर रही है अभ्यास

खिलाड़ी छात्रा गत तीन वर्षों से झुंझुनूं एकेडमी स्थित क्रिकेट एकेडमी में क्रिकेट का अभ्यास कर रही है। क्रिकेट कोच अजय कुमार ने बताया कि हैप्पी कुमारी ने ऑलराउंडर के तौर पर अपनी प्रतिभा दिखाते हुए नेशनल लेवल पर अपनी पहचान बनाई है। कोच अजय कुमार ने बताया कि उजेश देवी एवं राजेश खीचड़ की बेटी छात्रा हैप्पी खीचड़ का चयन राजस्थान रणजी अंडर-19 क्रिकेट टीम में वाइस कैप्टन के तौर पर हुआ है। स्कूल निदेशक आकाश मोदी ने कहा कि यह जिले के लिए गौरव की बात है कि यहां की बेटी क्रिकेट में राजस्थान टीम का वाइस कैप्टन के रूप में प्रतिनिधित्व करेगी। यहां की बेटियों ने साबित कर दिया है कि वे किसी से भी कम नहीं है, उन्हें केवल एक मौका मिलना चाहिए, उसके बाद वे पीछे मुड़कर नहीं देखती है। पिछले तीन साल की कड़ी मेहतन का फल हैप्पी कुमारी को वाइस कैप्टन के रूप में मिला है। खिलाड़ी छात्रा हैप्पी कुमारी ने कहा कि उसे बचपन से ही क्रिकेट में रूचि थी। झुंझुनूं एकेडमी में क्रिकेट से जुड़ी पूरी सुविधाएं थी, यहां पर तीन साल से मेहतन की। कोच व स्कूल स्टाफ ने प्रोत्साहित किया। उनका मोटिवेशन हमेशा काम आया और आगे बढ़ने में मदद की। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि अपनी मेहनत में कभी भी कमी नहीं छोड़नी चाहिए। पूरे मन से मेहनत करने पर उसका परिणाम भी अच्छा ही आता है। उसके परिजनों ने सदैव उसका सपोर्ट किया। जिसके बदौलत वह आज इस मुकाम पर पहुंची है। उन्होंने कहा कि कई लोग बेटियों को खेलकूद प्रतियोगिता में हिस्सा नहीं लेने देते। बेटियों को उचित मार्गदर्शन व परिजनों का सपोर्ट मिले तो वे हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त करते हुए अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी और हर मुकाम को हासिल करेंगी। उल्लेखनीय है कि हैप्पी झुंझुनूं एकेडमी स्कूल की कक्षा 12 वीं ह्युमिनिटीज वर्ग की नियमित छात्रा है।

रानू मोदी की रेसीपी

शेखावाटी संदेश के पाठकों के लिए लाया है सर्दी के मौसम के लिए विशेष स्नैक्स

सीताफल फिरनी मोतीचूर कप

सामग्रीः राइस मिक्सचर- 3 बड़े चम्मच चावल भिगोकर और छानकर निकाला हुआ। **फिरनी-** 3 कप दूध, 1/4 कप चीनी, 1 कप सीताफल का गुदा, 1/2 चम्मच इलायची पाउडर, 1 बड़े चम्मच पिस्ता। **सर्व करने के लिए-** 20 पीसेस मोतीचूर लड्डू। **सजावट के लिए-** पीस्ता पाउडर, अनार के दाने, केसर, खाने योग्य गोल्ड फॉइल, सिल्वर पिस्ता। **विधि-** सबसे पहले ब्लेंडर में दूध के साथ चावल डालकर ब्लैंड करेंगे। फिर एक पेन में दूध डालकर 7-8 मिनट के लिए धीमी आंच पर पकाएंगे। फिर इसमें राइस पेस्ट डालेंगे और गाढ़ा होने तक पकाएंगे, फिर इसमें चीनी डालेंगें और स्मूथ होने तक चलाएंगे। अब सीताफल का गुदा और इलायची का पाउडर डालेंगे। फिर ऊपर से पिस्ता डालकर गैस बंद कर देंगे। अब इसे फ्रिज में ठंडा होने देंगे। इसे असेंबल करने के लिए सबसे पहले मोतीचूर लड्डू कटोरी की शेप में प्रेस करेंगें। फिर इसमें सीताफल फिरनी डालकर ऊपर से पिस्ता पाउडर, अनार दाने केसर और गोल्ड फॉइल और सिल्वर पिस्ता से सजाएंगे।

खीरे का समोसा

सामग्री : खीरा फीलिंग- 1 खीरा, 1.5 बड़े चम्मच गाढ़ा दही, 1 चम्मच, सीका जीरा पाउडर, 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1/4 चम्मच हींग, 2/3 चम्मच नमक, 1/2 चम्मच दालचीनी पाउडर, 1/2 चम्मच काला नमक, 2 हरी मिर्च कटी हुई, 1 बडा चम्मच बारीक कटा धनिया। **आटे के लिए-** 1 कप सूजी, 1/4 कप मैदा, 1/2 चम्मच नमक, दो बड़े चम्मच तपा घी, 2/3 कप पानी तथा जरूरत के अनुसार तलने के लिए तेल। **विधि-** सबसे पहले खीरे को कस लेंगे। अब इसको पतले कपडे में डालकर इसका सारा पानी निचोड़ लेंगे। अब एक बाउल में सूजी मैदा, नमक, घी को मिक्स करेंगे और पानी डालकर 5-7 मिनट तक अच्छे से गूथ लेंगे। जब तक आटा सोफ्ट ना हो। फिर इसे ढक कर छोड़ देंगे। फिलिंग के लिए बाउल में खीरा, दही, सारे मसाले, हरी मिर्च और धनिया डालकर मिक्स करेंगे। फिर आटे की छोटी छोटी लोई बनाकर उसे बेल लेंगे और बीच में से आधा काट लेंगे। फिर इसे हाथ से तिकोना शेप देकर इसमें थोड़ी-थोड़ी फिलिंग भर देंगे। किनारों को हाथ से अच्छे से प्रेस करेंगे और पानी की मदद से मुह बंद कर देंगे ताकि फिलींग बाहर ना निकले। अब एक कड़ाही में तेल गरम करके सुनहरा होने तक तल लेंगे। धनिया की चटनी और अदरख मिर्च के अचार के साथ सर्व करें।

ओरेंज दही वड़ा लेयर चाट

औरेंज सिरप- 1- 1/4 कप फ्रेश ओरेंज ज्यूस, 3 बड़े चम्मच चीनी। **ओरेंज दही-** 1 कप दही, संतरे का छिलका कसा हुआ- 2 चम्मच, 1 चम्मच नमक **चाट फिलींग-** 1 बडा चम्मच तेल, 1/4 चम्मच हींग, 1/2 चम्मच जीरा, 1 चम्मच अदरख हरी मिर्च का पेस्ट, 2 चम्मच धनिया पाउडर, 1 चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1/2 चम्मच भूना जीरा पाउडर, 1/2 चम्मच गरम मसाला, 2 बड़े चम्मच पानी, 2/3 कप काला चना उबले हुए, 2/3 कप साबूत मूंग उबले, 2/3 कप मौठ दाल उबली, 1/2 चम्मच नमक। 1 बीट रूट, 3-4 आलू उबले हुए, टूटी हुई पपडी, मिनी वडा।

विधि- सबसे पहले एक पेन में ओरेंज ज्यूस और चीनी डालकर धीमी आंच पर पकाएंगें। अब दूसरे पेन में तेल गर्म करेंगे और फिर हींग और जीरा डालेंगे फिर अदरख-मिर्च का पेस्ट डालेंगे। एक कटोरी में धनिया पाउडर, लालमिर्च पाउडर, भूना जीरा पाउडर, गरम मसाला और पानी डालकर अच्छे से मिक्स करेंगे फिर पेन में डालकर चलाएंगे फिर इसमें उबले काले चने, साबूत मूंग और मोठ डालकर मिक्स करेंगे, ऊपर से नमक डालकर गैस बंद कर देंगे। अब एक बाउल में उबले आलू को छोटे पीसेस में कट करके डालेंगे। उसमें थोड़ा सा नमक, लाल मिर्च पाउडर, भूना जीरा और थोड़ी सी कसी बीट रूट डालकर मिक्स करेंगे। अब एक बाउल में दही डालेंगे और औरेंज सिरप डालकर मिक्स करेंगे फिर औरेंज जेस्टर (छिलका) कसकर डालेंगे और नमक डालकर मिक्स करेंगे। अब एक ग्लास लेंगे उसमें सबसे पहले चना, मूंग, मोठ की लेयर डालेंगे। फिर टूटी पापड़ी उसके बाद औरेंज दही की लेयर डालेंगे। उसके बाद आलू बीटरूट मसाला फिर इमली और धनिया की चटनी डालेंगे। इसके बाद दहीवड़ा डालकर फिर औरेंज दही की लेयर डालेंगे। ऊपर से औरेंज सिरप से गार्निश करेंगे।

मैरिट वाला स्कूल बना अब मेडल वाला स्कूल भी

झुंझुनू एकेडमी ने राजस्थान बैडमिंटन चैम्पियनशिप में रही विजेता, गोल्ड मेडल की हैट्रिक

छात्र लोकेश गुर्जर ने अंडर-11 सिंगल्स एवं डबल्स दोनों वर्ग में जीते गोल्ड मेडल, आनंद मदेरणा ने अंडर.13 डबल्स में जीता गोल्ड मेडल

दोनों विद्यार्थियों का बैडमिंटन की (एसजीएफआई, बीएआई, सीबीएसई) नेशनल चैम्पियनशिप में हुआ चयन

शेखावाटी संदेश | झुंझुनू

मैरिट वाले स्कूल झुंझुनूं एकेडमी अब खेलो में भी अव्वल है। कोई भी खेल प्रतियोगिता हो, झुंझुनूं एकेडमी के खिलाड़ी अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करते हुए मेडल जीत रहे हैं। क्रिकेट हो, बैडमिंटन हो या अन्य खेल, झुंझुनूं एकेडमी का ही दबदबा रहता है। झुंझुनूं एकेडमी सीबीएसई के होनहार खिलाड़ी छात्र स्पोर्ट्स में भी कीर्तिमानों की झड़ी लगा रहे हैं। शेखावाटी के इतिहास में पहली बार जीवेम् स्पोर्ट्स एकेडमी के छात्रों ने राजस्थान बैडमिंटन चैम्पियनशिप में गोल्ड मेडल की हैट्रिक लगाई है। खेल जगत में अंडर-11 एवं अंडर-13 छात्र वर्ग बैडमिंटन चैम्पियनशिप में यह सबसे बड़ी उपलब्धि है। जानकारी देते हुए बैडमिंटन कोच नितेश वर्मा ने बताया कि योनेक्स सनराइज राजस्थान स्टेट बैडमिंटन चैम्पियशिप-2024 जो अजमेर जिला बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा 11 से 15 अक्टूबर तक पटेल इंडोर स्टेडियम एवं अजमेर कल्ब, अजमेर में आयोजित हुई थी।

जिसमें झुंझुनूं एकेडमी के छात्र लोकेश गुर्जर ने अंडर-11 सिंगल्स एवं डबल्स दोनों वर्ग में चैम्पियनशिप जीतकर गोल्ड मेडल तथा 5500 रुपए नकद पुरस्कार तथा आनंद मदेरणा ने अंडर-13 डबल्स में चैम्पियनशिप जीतकर गोल्ड मेडल तथा 3500 रुपए का नकद पुरस्कार प्राप्त किया। दोनों होनहार खिलाडिय़ों का चयन बैडमिंटन की नेशनल चैम्पियनशिप के लिए हुआ है।

झुंझुनूं एकेडमी चेयरमैन एवं जिला बैडमिंटन संघ अध्यक्ष डॉ. दिलीप मोदी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि शेखावाटी के इतिहास में बैडमिंटन में झुंझुनूं एकेडमी ने इतिहास रचा है। उन्होंने दोनों गोल्ड मेडलिस्ट छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि इन विद्यार्थियों ने पढ़ाई के साथ-साथ स्पोर्ट्स में भी इतिहास रचकर स्कूल व अपने माता-पिता तथा परिवार का नाम रोशन किया है। झुंझुनूं एकेडमी में उपलब्ध सभी प्रकार के अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के स्पोर्ट्स संसाधन व बेहतरीन प्रशिक्षकों की वजह से यहाँ के छात्र-छात्राएं खेलों के हर वर्ग में गोल्ड मेडल जीत रहे हैं। इस दौरान मैनेजिंग डायरेक्टर नीरजा मोदी, स्कूल डायरेक्टर आकाश मोदी व गरिमा मोदी, छात्रावास निदेशक कुरड़ाराम धींवा, स्कूल प्राचार्य डॉ. रविशंकर शर्मा, उप प्राचार्या सरोज सिंह, हैड मिस्ट्रेस उमा शर्मा, एडमिशन डायरेक्टर श्याम सुंदर शर्मा, हैड कोच अमित कुमार, प्रशासक कमलेश कुलहरि तथा सभी कोचेज ने दोनों छात्रों को बधाइयाँ एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की एवं उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गोल्ड मेडल जीतने वाले विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए।

शेखावाटी संदेश
संकल्पों का सारथी...प्रगति का प्रहरी
पंजीकरण क्रमांक : RAJHIN/2022/82054
शेखावाटी संदेश, पंजीकृत समाचार पत्र की प्रति नियमित प्राप्त करने, समाचार, लेख, सुझाव, प्रतिक्रिया देने एवं विज्ञापन प्रकाशित करवाने हेतु संपर्क करें
98 281 58 281
क्षेत्रवार संवाददाता एवं वितरक नियुक्त करने हैं।
shekhawatisandeshnews@gmail.com
शेखावाटी संदेश, जीवेम हाउस, मोदी रोड़, झुंझुनूं
ShekhawatiSandeshNews
www.ShekhawatiSandesh.com SSandeshNews

झुंझुनू एकेडमी खिलाड़ियों के लिए भी बनी 'वरदान'

शेखावाटी संदेश | झुंझुनू

बच्चे के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद भी जरूरी है। झुंझुनूं एकेडमी के विद्यार्थी एकेडमिक व स्पोर्ट्स दोनों में ही अव्वल रहते हैं। जीवेम् स्पोर्ट्स एकेडमी के विद्यार्थियों ने विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में सर्वश्रेठ प्रदर्शन करते हुए मेडल्स की झड़ी लगा दी है।

स्कूल प्राचार्य डॉ. रविशंकर शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय स्तर प्रतियोगिताओं के लिए बैडमिंटन से अंडर-14 छात्र वर्ग में 5 विद्यार्थी, एथेलेटिक्स से अंडर-17 छात्रा वर्ग में 1 छात्रा, एसजीएफआई लॉन टेनिस अंडर-14 छात्र वर्ग से एक छात्र, एसजीएफआई ताईक्वांडो अंडर-19 छात्र वर्ग से 1 छात्र तथा एसजीएफआई बैडमिंटन अंडर-14 छात्र वर्ग से 3 छात्र चयनित हुए है। इस प्रकार कुल 11 विद्यार्थियों का चयन हुआ है।

क्रिकेट में हैप्पी कुमारी का चयन राजस्थान टीम की उप कप्तान के तौर पर हुआ है तथा यह छात्रा रणजी ट्रॉफी में ऑल राउंडर के रूप में खेलेगी। सीबीएसई क्लस्टर में झुंझुनूं एकेडमी बैडमिंटन में चैम्पियन रही तथा हैंडबॉल में उपविजेता ट्रॉफी अपने नाम की। राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में लॉन टेनिस अंडर-14 छात्र वर्ग से 3, अंडर 19 छात्र वर्ग से 2, अंडर 17 छात्र वर्ग से 2, शूटिंग प्रतियोगिता में अंडर-14 छात्र वर्ग से 1, अंडर-17 छात्र वर्ग से 3, अंडर-19 छात्र वर्ग से 1, बॉक्सिंग प्रतियोगिता में अंडर-19 छात्र वर्ग से 1, छात्रा वर्ग से 1, क्रिकेट प्रतियोगिता में अंडर -19 छात्र वर्ग से 6, छात्रा वर्ग से 6 तथा अंडर-17 छात्रा वर्ग से 3 व अंडर-14 छात्र वर्ग से 7, बैडमिंटन प्रतियोगिता में अंडर -14 छात्र वर्ग से 4, छात्रा वर्ग से 1, अंडर-17 छात्र वर्ग से 3, छात्रा वर्ग से 3, अंडर-17 छात्रा वर्ग से 3 तथा अंडर-19 छात्र वर्ग से 2, ताईक्वाण्डो प्रतियोगिता में अंडर-19 छात्र वर्ग से 1 तथा आर्चरी में अंडर-14 छात्र वर्ग से 1 छात्र का चयन हुआ है। कुल 51 विद्यार्थियों का विभिन्न खेलों में राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में चयन हुआ है। जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में अंडर-14 छात्र वर्ग, अंडर -19 छात्र वर्ग लॉन टेनिस में, अंडर-19 छात्र एवं छात्रा वर्ग तथा अंडर-14 छात्र वर्ग क्रिकेट मेंए अंडर-14 एवं अंडर-17 छात्र वर्ग बैडमिंटन में झुंझुनूं एकेडमी स्कूल चैम्पियन रही। इस प्रकार कुल 7 प्रतियोगिताएं जीती तथा 4 खेलों में उपविजेता रही है। झुंझुनूं एकेडमी चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि जीवेम स्पोर्ट्स एकेडमी यहां के खिलाडियों के लिए वरदान साबित हो रही है।

शैक्षणिक भ्रमण से होता है नेतृत्व क्षमता का विकास

शेखावाटी संदेश | झुंझुनू

झुंझुनू एकेडमी सीबीएसई के कक्षा-3 से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों ने जयपुर स्थित फन किंगडम पार्क का भ्रमण किया। इस एक दिवसीय भ्रमण में लगभग 250 से अधिक छात्राओं एवं स्टाफ मेंम्बर्स ने फन, मस्ती, म्यूजिक, राईड्स, रेन डान्स, झूले, एडवेंचर एवं खान-पान का जमकर आनंद उठाया।

झुंझुनूं एकेडमी चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी, मैनेजिंग डायरेक्टर नीरजा मोदी, स्कूल डायरेक्टर आकाश मोदी, गरिमा मोदी, छात्रावास निदेशक कुरड़ाराम धींवा, प्राचार्य डॉ. रविशंकर शर्मा, उप-प्राचार्या सरोज सिंह, एडमिशन डायरेक्टर श्याम सुंदर शर्मा, हैड-मिस्ट्रेस उमा शर्मा एवं प्रशासक कमलेश कुलहरि ने हरी झंडी दिखाकर सभी बसों को रवाना किया। सभी छात्राओं व स्टाफ ने भ्रमण स्थल को छोड़ने से पहले सभी वेस्ट मेटेरियल के लिए डस्टबिन का उपयोग किया।

प्राचार्य डॉ. रविशंकर शर्मा ने कहा कि इस प्रकार के भ्रमण से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता, स्वावलम्बन, आत्म विश्वास आदि भावनाओं का विकास होता है। भ्रमण दल के साथ उप प्राचार्या सरोज सिंह, हैड मिस्ट्रेस उमा शर्मा, एडमिशन डायरेक्टर श्याम सुंदर शर्मा, प्रशासक कमलेश कुलहरि एवं अध्यापक पंकज इंदौरिया, सूरज शर्मा, छायाकार दिनेश कुमार, अध्यापिका सुनिता कुलहरि, ज्योति कुलहरि, अर्चना जांगिड़, बेबी राठौड़, बबीता शर्मा, मधु जांगिड़, सरोज सैनी, सुरभि झाझड़िया, नूतन कुमारी, सरिता रोहिल्ला, कृष्णा इंदौरिया, ऋतु जानू, रेखा नेहरा, मनीषा वालिया तथा हॉस्टल वार्डन सुशीला उपस्थित थे।

स्वामी एवं प्रकाशक आकाश मोदी एवं मुद्रक प्रशांत माथुर द्वारा डी. बी. कॉर्प. लिमिटेड, प्लॉट नंबर एफ-156 रीको, झुंझुनू (राजस्थान) 333001 से मुद्रित तथा ज्ञान कुटीर, फौज का मोहल्ला, झुंझुनू (राजस्थान) 333001 से प्रकाशित। संपादकः आकाश मोदी। संपर्क : 98281 58281